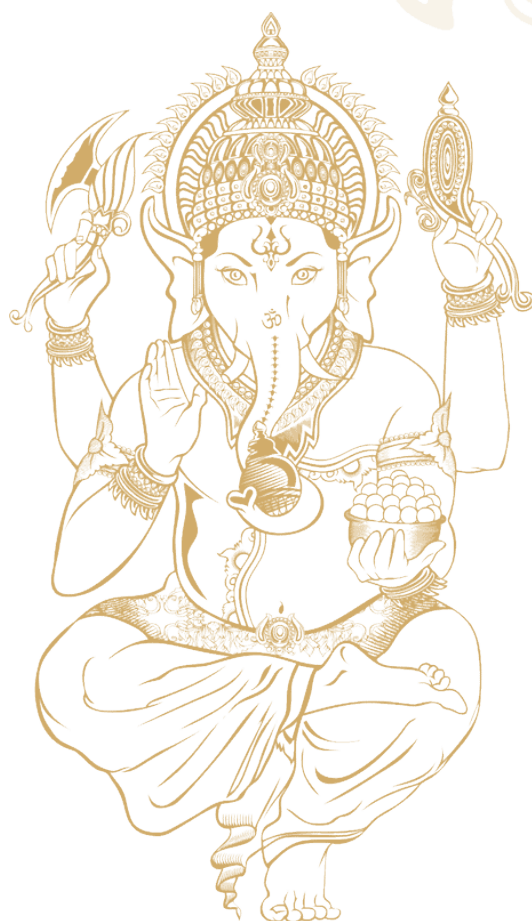




Gutanshu



Akshay

Model: Love-Horoscope

Order No: 119240601

पुल्लिंग : _____ लिंग _____ : स्त्रीलिंग
 20-21/08/1994 : _____ जन्म तिथि _____ : 23-24/05/1993
 शनि-रविवार : _____ दिन _____ : रवि-सोमवार
 घंटे 01:59:00 : _____ जन्म समय _____ : 04:42:00 घंटे
 घटी 50:15:34 : _____ जन्म समय(घटी) _____ : 58:08:24 घटी
 India : _____ देश _____ : India
 Delhi : _____ स्थान _____ : Delhi
 28:39:00 उत्तर : _____ अक्षांश _____ : 28:39:00 उत्तर
 77:13:00 पूर्व : _____ रेखांश _____ : 77:13:00 पूर्व
 82:30:00 पूर्व : _____ मध्य रेखांश _____ : 82:30:00 पूर्व
 घंटे -00:21:08 : _____ स्थानिक संस्कार _____ : -00:21:08 घंटे
 घंटे 00:00:00 : _____ ग्रीष्म संस्कार _____ : 00:00:00 घंटे
 05:52:46 : _____ सूर्योदय _____ : 05:26:38
 18:55:51 : _____ सूर्यास्त _____ : 19:09:25
 23:47:10 : _____ चित्रपक्षीय अयनांश _____ : 23:46:09
 मिथुन : _____ लग्न _____ : मेष
 बुध : _____ लग्न लग्नाधिपति _____ : मंगल
 मकर : _____ राशि _____ : मिथुन
 शनि : _____ राशि-स्वामी _____ : बुध
 धनिष्ठा : _____ नक्षत्र _____ : आर्द्रा
 मंगल : _____ नक्षत्र स्वामी _____ : राहु
 2 : _____ चरण _____ : 1
 शोभन : _____ योग _____ : शूल
 बव : _____ करण _____ : तैतिल
 गी-गीत : _____ जन्म नामाक्षर _____ : कू-कुसुम
 सिंह : _____ सूर्य राशि(पाश्चात्य) _____ : मिथुन
 वैश्य : _____ वर्ण _____ : शूद्र
 जलचर : _____ वश्य _____ : मानव
 सिंह : _____ योनि _____ : श्वान
 राक्षस : _____ गण _____ : मनुष्य
 मध्य : _____ नाड़ी _____ : आद्य
 मार्जार : _____ वर्ग _____ : मार्जार


FUTUREPOINT
 Astro Solutions


ग्रह अंश एवं विंशोत्तरी

विंशोत्तरी
मंगल 4वर्ष 3मा 3दि
गुरु

23/11/2016

23/11/2032

गुरु	11/01/2019
शनि	24/07/2021
बुध	30/10/2023
केतु	05/10/2024
शुक्र	06/06/2027
सूर्य	24/03/2028
चन्द्र	24/07/2029
मंगल	30/06/2030
राहु	23/11/2032

अंश

12:38:54
03:47:48
28:33:16
08:51:17
11:35:49
14:26:17
19:45:43
16:06:59
24:40:08
24:40:08
29:17:44
27:15:18
01:33:22

राशि

मिथु
सिंह
मक
मिथु
सिंह
तुला
कन्या
कुंभ
तुला
मेष
धनु
धनु
वृश्चि

ग्रह

लग्न
सूर्य
चंद्र
मंगल
बुध
गुरु व
शुक्र
शनि
राहु
केतु
हर्ष व
नेप व
प्लूटो व

राशि

मेष
वृष
मिथु
कर्क
वृष
कन्या
मीन
कुंभ
वृश्चि
वृष
धनु
धनु
वृश्चि

अंश

25:24:09
09:02:36
07:38:54
19:22:26
18:28:17
11:05:14
24:37:06
06:18:53
18:23:12
18:23:12
28:06:58
27:07:57
00:07:18

विंशोत्तरी
राहु 16वर्ष 8मा 2दि
गुरु

25/01/2010

25/01/2026

गुरु	14/03/2012
शनि	26/09/2014
बुध	01/01/2017
केतु	07/12/2017
शुक्र	07/08/2020
सूर्य	27/05/2021
चन्द्र	26/09/2022
मंगल	02/09/2023
राहु	25/01/2026

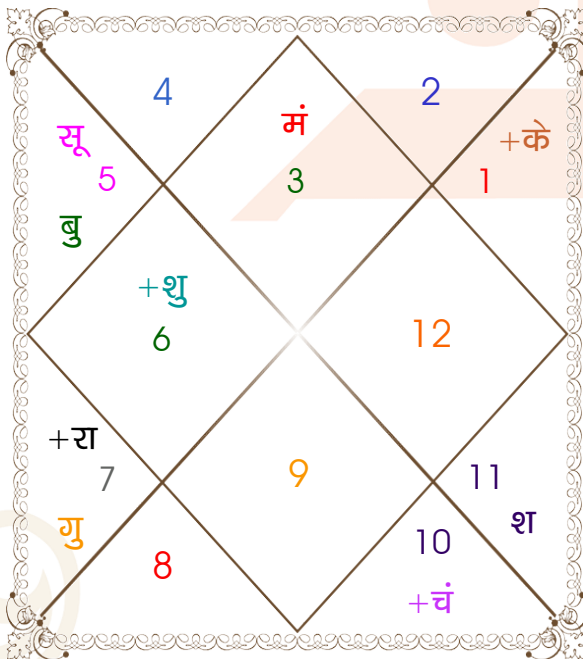
व - वकी स - स्थिर

अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त

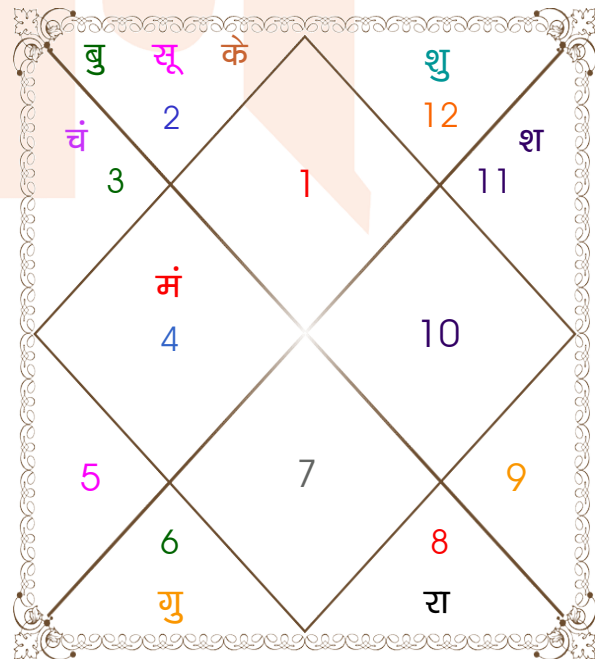
राहु : स्पष्ट

23:47:10 चित्रपक्षीय अयनांश 23:46:09

लग्न-चलित



लग्न-चलित



FUTUREPOINT

Astro Solutions



एक्स-35, ओखला फेज-2, नई दिल्ली-110020 फोन:- 011-40541000, 40541020

Web: www.futurepointindia.com, e-mail: mail@futurepointindia.com

अष्टकूट गुण सारिणी

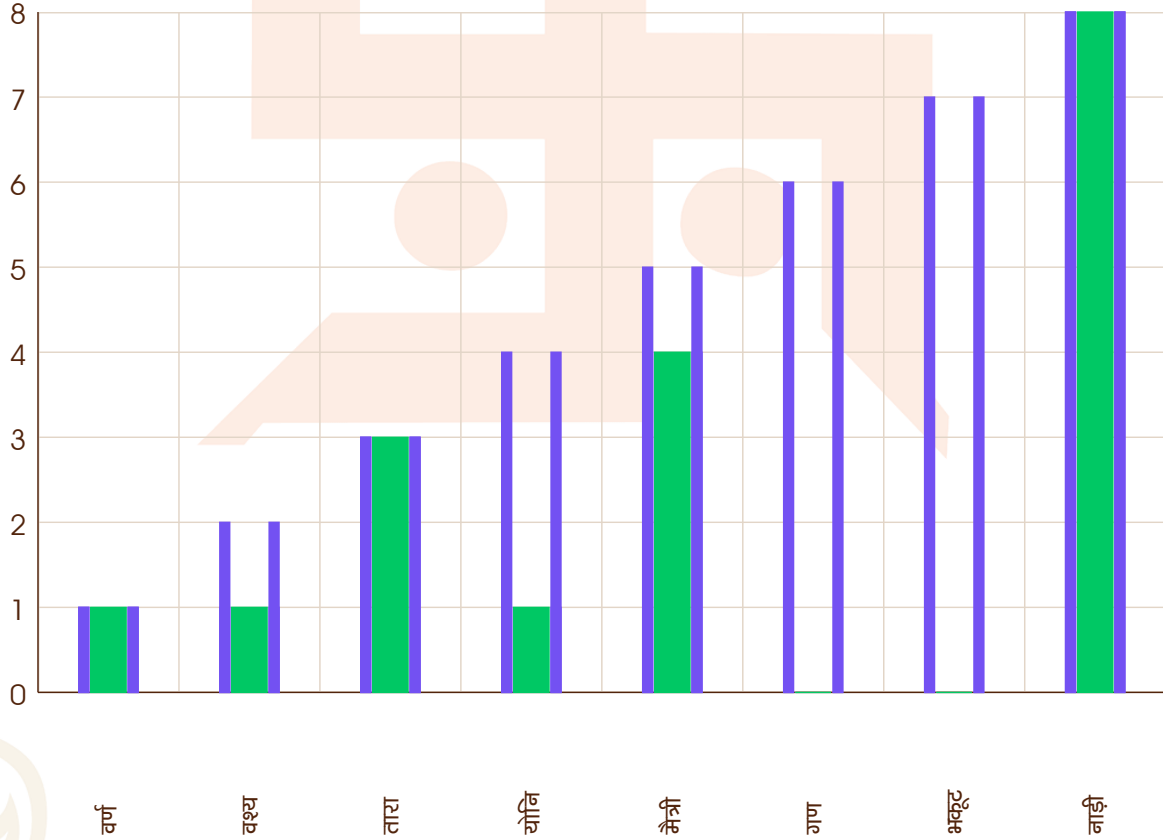
कूट	वर	कन्या	अंक	प्राप्त	दोष	क्षेत्र
वर्ण	वैश्य	शूद्र	1	1.00	--	जातीय कर्म
वश्य	जलचर	मानव	2	1.00	--	स्वभाव
तारा	अतिमित्र	सम्पत	3	3.00	--	भाग्य
योनि	सिंह	श्वान	4	1.00	--	यौन विचार
मैत्री	शनि	बुध	5	4.00	--	आपसी सम्बन्ध
गण	राक्षस	मनुष्य	6	0.00	हाँ	सामाजिकता
भकूट	मकर	मिथुन	7	0.00	हाँ	जीवन शैली
नाडी	मध्य	आद्य	8	8.00	--	स्वास्थ्य/संतान

कुल :

36

18.00

कुल : 18 / 36



FUTUREPOINT
Astro Solutions



अष्टकूट मिलान

गणदोष प्रभावहीन है क्योंकि दोनों के राशि स्वामियों में मित्रता है।

भकूट दोष प्रभावहीन है क्योंकि दोनों के राशि स्वामियों में मित्रता है।

Gutanshu का वर्ग मार्जार है तथा Akshay का वर्ग मार्जार है। इन दोनों वर्गों में परस्पर सम है।

अष्टकूट मिलान के अनुसार Gutanshu और Akshay का मिलान औसत है।

मंगलीक दोष मिलान

Gutanshu मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में प्रथम भाव में स्थित है।

Akshay मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में चतुर्थ भाव में स्थित है।

चतुः सप्तमे भौमो मेषकर्कटे निग्रहः।

कुजदोषो न विद्यते।।

अर्थात् चतुर्थ तथा सप्तम भाव में यदि मेष या कर्क का मंगल हो तो कुजदोष समाप्त हो जाता है।

क्योंकि मंगल Akshay कि कुण्डली में चतुर्थ भाव में कर्क राशि में स्थित है अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

भौमेः वक्रिणि नीचगृहे वाऽर्कस्थेऽपि वा न कुजदोषः।

अर्थात् यदि मंगल वक्री, नीच, अस्त का हो तो मंगल दोष नहीं होता है।

ढप्य;थडत्मजतवह;0द्धझ0द्धझ क्योंकि मंगल Akshay कि कुण्डली में वक्री है अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

त्रिषट् एकादशे राहू त्रिषट् एकादशे शनिः।

त्रिषट् एकादशे भौमः सर्वदोषविनाशकृत्।।

वर या कन्या की कुंडली में से एक मंगलीक हो और दूसरे की कुंडली में 3,6,11 वें भावों में राहु, मंगल या शनि हो तो मंगलीक दोष समाप्त हो जाता है।

क्योंकि शनि Akshay कि कुण्डली में एकादश भाव में स्थित है अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

Gutanshu तथा Akshay में मंगलीक मिलान ठीक है।



FUTUREPOINT
Astro Solutions



निष्कर्ष

अष्टकूट एवं मंगलीक दोष न होने के कारण दोनों का मिलान उत्तम है।



FUTUREPOINT
Astro Solutions



एक्स-35, ओखला फेज-2, नई दिल्ली-110020 फोन:- 011-40541000, 40541020
Web: www.futurepointindia.com, e-mail: mail@futurepointindia.com

अष्टकूट फलादेश

वर्ण

Gutanshu का वर्ण वैश्य है तथा Akshay का वर्ण शूद्र है। इसमें Akshay का वर्ण Gutanshu के वर्ण से नीचा है अतः यह मिलान अति उत्तम मिलान है। जिसके फलस्वरूप Akshay अति आज्ञाकारी, सहायता करने वाली तथा बिना किसी शिकायत के पूरे परिवार की सेवा-सुश्रुषा एवं देखभाल करने वाली होगी। साथ ही हर किसी की सेवा के लिए Akshay हमेशा तत्पर रहेगी। बिना उचित कारण के वह किसी के साथ तर्क-वितर्क अथवा झगड़ा नहीं करेगी।

वश्य

Gutanshu का वश्य जलचर है एवं Akshay का वश्य द्विपद अर्थात् मनुष्य है। जिसके कारण यह मिलान मिलान अच्छा मिलान नहीं है। जलचर कभी भी मनुष्य के ऊपर नियंत्रण स्थापित नहीं कर सकता। इसके विपरीत, मनुष्य या तो जलचरों पर नियंत्रण कर लेता है अथवा उसे समाप्त कर देता है अथवा उसका भक्षण कर लेता है अथवा उससे दूर भागता है। अतः यदि इन दोनों बीच विवाह सम्पन्न होता है तो यह अनुकूल नहीं रहेगा। इस स्थिति में Akshay अति हावी होती रहेगी तथा हमेशा अपने पति को गुलाम समझती रहेगी तथा चाहेगी कि Gutanshu उसकी आज्ञा का पालन करे। इससे घर की शांति भंग होगी तथा प्रगति एवं समृद्धि पर विपरीत प्रभाव पड़ेगा।

तारा

Gutanshu की तारा अतिमित्र तथा Akshay की तारा सम्पत्त है। अतः दोनों की तारा अनुकूल होने के कारण यह मिलान अति उत्तम मिलान है। यह विवाह वैवाहिक जीवन एवं परिवार के लिए चहुंमुखी समृद्धि का मार्ग प्रशस्त करता रहेगा। साथ ही दोनों एक-दूसरे के लिए काफी भाग्यशाली साबित होंगे। Gutanshu हमेशा Akshay के साथ मित्रवत व्यवहार करता रहेगा तथा उसे असीम प्रेम एवं प्यार देता रहेगा। इनके बच्चे भी काफी बुद्धिमान, भाग्यशाली, आज्ञाकारी एवं सफल होंगे।

योनि

Gutanshu की योनि सिंह है तथा Akshay की योनि श्वान है। अर्थात् दोनों की योनि समान नहीं है। इन दोनों योनि के बीच सामान्य वैर है। अतः यह मिलान अच्छा मिलान न होकर बुरा मिलान ही रहेगा। जिसके कारण दोनों की रुचि एवं पसंद नापसंद अलग-अलग ही होंगी। इनके वैवाहिक एवं पारिवारिक जीवन में अक्सर लड़ाई झगड़े हो सकते हैं। कभी-कभी लड़ाई झगड़ा घरेलू हिंसा का रूप भी ले सकता है। लड़ाई झगड़े के कारण पारिवारिक माहौल तनावपूर्ण एवं कलेशपूर्वक ही रहेगा। दोनों कभी कभी एक दूसरे पर हिंसक आक्रमण भी कर सकते हैं। दोनों के बीच झगड़े का कारण बुद्धिमत्ता एवं परस्पर समझदारी की कमी ही हो सकती है। यदि समझदारी और समझबूझ से काम न लिया गया तो कुछ समय अंतराल पर यह स्थिति मुकदमेबाजी तक भी पहुंच सकती है। इस प्रकार परस्पर प्रेम एवं सौहार्द की भावना का अभाव



FUTUREPOINT
Astro Solutions



ही रहेगा। साथ ही दोनों के बीच अविश्वास की भावना भी रह सकती है। कभी-कभी धनहानि होने की भी संभावना होगी। अतः यदि दोनों परस्पर समझदारी एवं बुद्धि से काम लें तो स्थिति को सुधारा भी जा सकता है। परस्पर लड़ाई झगड़े और वैचारिक मतभेद रहने के कारण परिवार में सुख समृद्धि का अभाव ही देखने को मिलेगा। इस प्रकार वैवाहिक जीवन संघर्षपूर्ण व कलेशपूर्वक बीतने की संभावना है अतः सतर्कता बरतें।

मैत्री

अष्टकूट मिलान में ग्रह मैत्री कूट में Gutanshu का राशि स्वामी Akshay के राशि स्वामी से मित्र का संबंध रखता है। जबकि Akshay का राशि स्वामी Gutanshu के राशि स्वामी के साथ सम का संबंध रखता है। अतः यह मिलान ग्रह मैत्री के विचार से अति उत्तम मिलान है। ज्योतिष की दृष्टि से यदि एक साथी के राशि स्वामी दूसरे साथी के लिए मित्र हो किंतु दूसरे साथी के राशि स्वामी अपने साथी के राशि स्वामी को सम मानते हों तो इसे भी उत्तम मिलान माना जाता है। ऐसी स्थिति में वैवाहिक सुख, शांति, खुशहाली, प्रेम एवं समृद्धि से युक्त जीवन होता है। अतः दम्पति के बीच पारस्परिक समझ, विश्वास एवं सहयोग की भावना बनी रहेगी। दोनों अपने घरेलू अथवा सामाजिक दायित्वों का निर्वहन साथ मिलकर करते रहेंगे तथा सभी की प्रशंसा का पात्र बनेंगे।

गण

Gutanshu का गण राक्षस है तथा Akshay का गण मनुष्य है। अर्थात् Akshay का गण Gutanshu के गण से श्रेष्ठ है। अतः यह मिलान बहुत बुरा मिलान रहेगा। ज्योतिषीय दृष्टि से यह संबंध अधिक दिनों तक नहीं रहने वाला होगा। दोनों के वैचारिक मतभेद परिवार के सदस्यों के जीवन को अशांत बना सकते हैं। ऐसा विवाह त्याज्य है।

भकूट

Gutanshu से Akshay की राशि षष्ठम भाव में स्थित है तथा Akshay से Gutanshu की राशि अष्टम भाव में स्थित है। जिसके कारण यह मिलान बिल्कुल अच्छा मिलान नहीं है। क्योंकि इसमें षडाष्टक दोष लग रहा है। जिसके कारण Gutanshu लाइलाज बीमारी से ग्रस्त हो सकते हैं तथा अक्सर उनके जलने अथवा दुर्घटनाग्रस्त होने की संभावना बनी रहेगी। Akshay को स्वास्थ्य संबंधी समस्याएं हो सकती हैं तथा परिवार के सदस्यों से वैमनस्य होने की संभावना भी रहेगी। पति-पत्नी के बीच वैचारिक मतभेद रह सकते हैं तथा अक्सर लड़ाई-झगड़े होते रहेंगे। दोनों के बीच तनावपूर्ण स्थिति पूरे परिवार के लिए समस्या एवं पीड़ा बन जायेगी। मुकदमेबाजी होने से अलगाव एवं तलाक की संभावना भी रहेगी।

नाड़ी

Gutanshu की नाड़ी मध्य है तथा Akshay की नाड़ी आद्य है। अर्थात् दोनों की नाड़ी समान नहीं है, जो कि अष्टकूट मिलान की दृष्टि से दोष मुक्त है। अर्थात् यह मिलान अति उत्तम मिलान है। आद्य एवं मध्य नाड़ी का समन्वय अति उत्तम होता है क्योंकि यह जीवनी

शक्ति को संतुलित करता है। तीनों जीवनी शक्तियों वात, पित्त एवं कफ का संतुलन जीवन के अस्तित्व के लिए आवश्यक है। अतः आपकी संतान उत्तम स्वास्थ्य, जनन क्षमता एवं स्वस्थ तथा बुद्धिमान संतान होंगी।



FUTUREPOINT
Astro Solutions



एक्स-35, ओखला फेज-2, नई दिल्ली-110020 फोन:- 011-40541000, 40541020
Web: www.futurepointindia.com, e-mail: mail@futurepointindia.com

मेलापक फलित

स्वभाव

Gutanshu की जन्म राशि भूमि तत्व युक्त मकर तथा Akshay की राशि वायु तत्व युक्त मिथुन है। भूमि एवं वायु तत्व में नैसर्गिक विषमताओं के कारण Gutanshu और Akshay के मध्य स्वभावगत असमानताएं होगी तथा संबंध भी विशेष मधुर नहीं रहेंगे। अतः यह मिलान विशेष अच्छा नहीं रहेगा।

Gutanshu की राशि का स्वामी शनि तथा Akshay की राशि का स्वामी बुध परस्पर सम एवं मित्र राशियों में स्थित है। अतः सुखी वैवाहिक जीवन के लिए यह स्थिति अनुकूल रहेगी। इसके प्रभाव से Gutanshu और Akshay के मध्य प्रेम सहयोग तथा सहानुभूति का भाव होगा तथा एक दूसरे को सुख दुख में पूर्ण सहयोग प्रदान करेंगे। साथ ही परस्पर गुणों की मुक्त भाव से प्रशंसा करेंगे एवं कमियों की उपेक्षा करेंगे। फलतः दाम्पत्य संबंधों में मधुरता रहेगी तथा वैवाहिक जीवन सुख एवं प्रसन्नता पूर्वक व्यतीत होगा।

Gutanshu और Akshay की राशियां परस्पर षष्ठ एवं अष्टम भाव में पड़ती है। शास्त्रानुसार यह भकूट दोष माना जाता है। इसके प्रभाव से उपरोक्त शुभ प्रभावों में न्यूनता आएगी तथा परस्पर संबंधों में तनाव तथा कटुता के भाव की उत्पत्ति होगी। साथ ही एक दूसरे के गुणों की अपेक्षा कमियों पर विशेष ध्यान देने से वैमनस्य एवं विरोध भी बढ़ेगा अतः यदि Gutanshu और Akshay सामंजस्य की प्रवृत्ति का अनुसरण करें तो इसमें किंचित शुभ फलों की प्राप्ति हो सकती है।

Gutanshu का वश्य जलचर तथा Akshay का वश्य मानव है। जलचर तथा मानव में नैसर्गिक विषमता होने के कारण इनकी अभिरुचियों में असमानता होगी तथा शारीरिक मानसिक एवं भावनात्मक स्तर पर भी विषमता रहेगी। साथ ही काम संबंधों में भी एक दूसरे को प्रसन्न तथा सन्तुष्ट करने में असमर्थ रहेंगे फलतः वैवाहिक जीवन में कटुता का भाव रहेगा।

Gutanshu का वर्ण वैश्य तथा Akshay का वर्ण शूद्र है। अतः Gutanshu की प्रवृत्ति धनार्जन संबंधी कार्यों में रहेगी तथा धन को विशेष महत्व देंगे। परन्तु Akshay परिश्रम तथा ईमानदारी से अपने कार्य कलापों को सम्पन्न करने में तत्पर रहेंगे। अतः कार्य क्षेत्र की स्थिति अनुकूल रहेगी।

धन

Gutanshu का जन्म अतिमित्र तथा Akshay का सम्पत नामक तारा में हुआ है। इसके प्रभाव से Akshay एक धनवान तथा भाग्यशाली महिला होंगी तथा Akshay के शुभ प्रभाव से उनकी आर्थिक स्थिति में नित्य वृद्धि होती रहेगी। भकूट का प्रभाव इनकी आर्थिक स्थिति पर सम रहेगा। अतः स्वपरिश्रम से ही इच्छित धन एवं लाभ अर्जित करने में समर्थ रहेंगे। साथ ही मंगल का भी कोई विशेष दुष्प्रभाव नहीं होगा। इस प्रकार Gutanshu और Akshay आरामदायक जीवन व्यतीत करने में समर्थ होंगे।

Gutanshu और Akshay को लाटरी, सट्टे या अन्य स्रोतों से अनायास धन प्राप्ति की संभावना होगी। साथ ही विभिन्न प्रकार के भौतिक संसाधनों का वे उपभोग करने में सफलता प्राप्त करेंगे। इसके अतिरिक्त वे जायदाद तथा आभूषण आदि को भी अर्जित करने में समर्थ होंगे।

स्वास्थ्य

Gutanshu की नाड़ी मध्य तथा Akshay की नाड़ी आद्य है। अतः दोनों की अलग अलग नाड़ी होने के कारण इनके ऊपर नाड़ी दोष का कोई दुष्प्रभाव नहीं रहेगा लेकिन मंगल का दोनों के स्वास्थ्य पर दुष्प्रभाव रहेगा। इससे दोनों गुप्त या धातु संबंधी रोगों से कष्टानुभूति प्राप्त करेंगे तथा मूत्र रोग संबंधी परेशानी भी रहेगी। साथ ही Gutanshu भी हृदय संबंधी रोग से कष्ट प्राप्त करेंगे तथा काम क्रियाओं में भी शिथिलता की अनुभूति करेंगे फलतः दाम्पत्य जीवन में सुख की अल्पता आएगी। Akshay भी यदा कदा काम संबंधों में उदासीनता का परिचय देंगी। अतः उपरोक्त प्रभावों में न्यूनता करने के लिए Gutanshu और Akshay को नियमित रूप से हनुमानजी की उपासना तथा मंगलवार के व्रत रखने चाहिए।

संतान

संतति की दृष्टि से Gutanshu और Akshay का मिलान उत्तम रहेगा। इसके प्रभाव से Gutanshu और Akshay को उचित समय पर संतति प्राप्ति होगी तथा इसमें किसी भी प्रकार से विलम्ब या व्यवधान नहीं होगा। साथ ही बच्चों के मध्य अंतर भी अनुकूल रहेगा जिससे उचित मात्रा में उनका पालन पोषण करने का अवसर प्राप्त होगा। इसके अतिरिक्त Gutanshu और Akshay के पुत्र एवं कन्याओं की संख्या बराबर रहेगी।

Akshay का प्रसव सामान्य रूप से होगा तथा इसमें उन्हें किसी भी प्रकार से परेशानी या कष्ट का सामना नहीं करना पड़ेगा। साथ ही किसी प्रसूति संबंधी चिकित्सा की भी आवश्यकता नहीं रहेगी। अतः Akshay के मन में इसके प्रति जो अनावश्यक भय या चिन्ताएं रहती हैं उसको दूर कर देना चाहिए तथा नियमित रूप से गर्भावस्था में डाक्टरी परीक्षण करवाने चाहिए। इस प्रकार Akshay सुंदर स्वस्थ एवं आकर्षक बच्चों को जन्म देने में सफल होंगी तथा स्वयं भी शांति तथा स्वस्थता की अनुभूति करेंगी।

बच्चों के द्वारा Gutanshu और Akshay को पूर्ण सन्तुष्टि मिलेगी तथा अपनी योग्यता बुद्धिमता एवं व्यवहार कुशलता से वे अपने क्षेत्र में प्रसिद्धि प्राप्त करेंगे यद्यपि माता पिता के वे आज्ञाकारी रहेंगे तथा उनकी इच्छा के विरुद्ध कोई भी कार्य नहीं करेंगे तथापि माता के प्रति उनके मन में विशेष लगाव तथा सम्मान का भाव रहेगा तथा उनकी आज्ञा पालन करने में सर्वदा तत्पर रहेंगे। इस प्रकार Gutanshu और Akshay का पारिवारिक जीवन सुख तथा शांति से पूर्ण रहेगा तथा प्रसन्नता पूर्वक वे अपना समय व्यतीत करेंगे।

ससुराल-सुश्री

Akshay तथा उसकी सास के परस्पर संबंध अच्छे नहीं रहेंगे। आयु में अधिक अन्तर

होने के कारण इनके गहन मतभेद रहेंगे। लेकिन अन्य कोई भी समस्या इतनी गंभीर नहीं होगी जिनका कोई समाधान न हो। अतः यदि Akshay धैर्य एवं बुद्धिमता पूर्वक सामंजस्यशील प्रवृत्ति का अनुसरण करें तो सास से संबंधों में अनुकूलता आ सकती है। अतः अपनी ओर से उन्हें उनकी पूर्ण रूप से सेवा तथा सुख सुविधाएं प्रदान करनी चाहिए।

ससुर के साथ Akshay के संबंध मधुर रहेंगे तथा अपने विनम्र व्यवहार सम्मान की भावना तथा सेवा की प्रवृत्ति से उन्हें प्रसन्न तथा सन्तुष्ट रखने में प्रसन्न रहेंगी। लेकिन देवर एवं ननदों से संबंधों में प्रतिकूलता रहेगी तथा आपस में ईर्ष्या, प्रतिद्वन्दिता एवं आलोचना का भाव रहेगा।

इस प्रकार Akshay का ससुराल में समय सामान्य रूप से ही व्यतीत होगा तथा अन्य जनों को अपनी ओर से सन्तुष्ट रखने में सर्वदा तत्पर रहेंगी।

ससुराल-श्री

Gutanshu की अपनी सास से संबंधों में मधुरता रहेगी। साथ ही उनके प्रति श्रद्धा सम्मान एवं सहयोग का भाव रहेगा। Gutanshu सपत्नीक समय समय पर ससुराल के लोगों से मिलने जाया करेंगे जिससे आपसी संबंधों में मधुरता की वृद्धि होगी। साथ ही Gutanshu का व्यवहार उनके प्रति विनम्रता से युक्त रहेगा।

ससुर के साथ भी Gutanshu के संबंधों में मधुरता का भाव रहेगा। साथ ही इन दोनों के मध्य दामाद ससुर की अपेक्षा पिता पुत्र का भाव अधिक रहेगा। Gutanshu भी समय समय पर अपने समस्याओं के समाधान के लिए ससुर से सलाह लेते रहेंगे लेकिन साले तथा सालियों से संबंध विशेष अच्छे नहीं रहेंगे तथा उनसे यथोचित सम्मान तथा सहयोग की प्राप्ति अल्प मात्रा में ही होगी।

इस प्रकार ससुराल के लोगों का दृष्टिकोण Gutanshu के प्रति अनुकूल रहेगा जिससे उनके आपसी संबंध अनौपचारिक रहेंगे।



FUTUREPOINT
Astro Solutions



लग्न फल

Gutanshu

आपका जन्म आर्द्रा नक्षत्र के द्वितीय चरण में हुआ था। जन्मकाल मेदिनीय क्षितिज पर मिथुन लग्न के साथ-साथ मकर का नवमांश एवं तुला का द्रेष्काण भी उदित था। फलस्वरूप स्पष्ट रूपेण यह विदित होता है कि आपका व्यक्तित्व विखंडित है। यदा-कदा आप अपने भरोसे ही निश्चित रूप से दूसरे व्यक्ति की संपत्ति अधिग्रहण करेंगे। आप किसी अन्य व्यक्ति को बुद्धिमत्ता पूर्वक अनुचित ढंग से बहुत लाभ उठाने के लिए अपने साथ संलग्न कर लेंगे। आप किसी प्रकार दो परस्पर विरोधी विशिष्ट कार्य संपादन कर सकेंगे। यह अनुमान कोई भी व्यक्ति नहीं लगा सकता है।

आप बहुत ही चुस्त चालाक व्यक्ति हैं। आप किसी भी व्यक्ति का अध्ययन का कलात्मक ढंग से उसकी भावना को अनुकूल रूपेण परिवर्तित कर देंगे।

आप गायन एवं नृत्य कला से आनंद प्राप्त करते हैं तथा आपकी विनोदी अर्थात् मनोरंजक वार्तालाप से अन्य लोग प्रभावित होते हैं। यह तथ्य पूर्ण विषय है कि आप किसी भी क्षेत्र में उच्चतम शिखर तक उन्नति प्राप्त करेंगे। लेकिन आप आत्मसंयम पूर्वक एकाग्र होकर किसी न किसी प्रकार कर्म व्यवसाय के लिए कोई न कोई (हल) मध्यमार्ग अपना कर तथा अन्य क्षेत्र को पार कर सफल हो जाएंगे। आपमें एक बड़ी दुर्बलता है कि आप किसी कार्य को आगे बढ़ाकर पीछे हट जाते हैं। यदि आप अपनी मनोभिलाषा को दृढ़ रखें तथा उच्चस्तरीय कार्य संपादन करें तो आप सफलता प्राप्त कर लेंगे।

आप में अन्य नकारात्मक दुर्गुण यह है कि आप अपनी चिड़-चिड़ापन प्रवृत्ति के प्रति सतर्क नहीं रहते अस्तु अपनी मनोदशा में परिवर्तन लाएं।

आप अति शीघ्रता पूर्वक अपना धैर्य खो बैठते हैं। अर्थात् आपको धैर्य धारण करना चाहिए। इस प्रकार की प्रवृत्ति से आपको आत्मनिर्भर होने में विलंब हो सकता है। इस प्रकार आपको समझ पाना उनके लिए दुष्कर है। क्योंकि आप उन पर अपना प्रभाव दोहरी नीति से डालकर आनंद प्राप्त करते हैं। यह भी विचारणीय है कि वास्तव में आपकी भावनाओं को सभी जन संक्षिप्त रूप से अन्यथा समझते हैं।

आपका रंग सांवला, दुबला-पतला शरीर एवं उच्च आकृति के प्राणी हैं। यह सत्य एवं प्रमाणित है कि विपरीत योनि के सदस्य आपकी आकर्षक आखों एवं रुचिकर आनंददायक बातों से प्रसन्न एवं आप से युक्त रहते हैं। परिणामस्वरूप आपके अनेक प्रेम संबंध हैं तथा आप पूर्ण रूपेण असंभाव्य रोमांचक एवं दुःसाहसपूर्ण रवैये के भुक्त भोगी हैं। आप घर में अपनी तानाशाही प्रवृत्ति के अनुकूल जीवन साथी पर नियंत्रण रखना चाहते हैं। जो आपकी कामुकता संबंधी स्वार्थ साधन का सहयोगी हो। परंतु जब पत्नी इसे स्वीकार नहीं करती तो आप कामवासना की पूर्ति हेतु घर से बाहर अपना संबंध का विस्तार करते हैं। आप घर से बाहर अपने प्रेम संबंधी को सावधानिक पूर्वक चयन करते हैं।

मिथुन लग्नादि से संबंधित प्राणी के लिए अनुकूल व्यक्ति वह है जिसका जन्म सिंह, मेष, तुला एवं कुंभ राशि लग्न में हुआ हो। यदि आप समुचित जीवन साथी का चयन कर सके तो मात्र आपका जीवन ही शांति पूर्ण नहीं रहेगा बल्कि सर्वथा अच्छी संतान का सच्चा आनंद प्राप्त करेंगे। आपको अपने जीवन मार्ग पर अखंडित और बाधा रहित आनंदपूर्ण जीवन बिताने के लिए आपके जीवन की अनुकूल आयु पचीसवां वर्ष से उज्ज्वलतम है। सामान्यतः आपका स्वास्थ्य उत्तम प्रकार से व्यतीत होगा। आपको अपनी स्वास्थ्य की रक्षा एवं सुख पूर्वक जीवन निर्वाह हेतु श्वास रोग, दमा, कफ उदासीनता एवं स्वरभंग रोगादि को उत्पन्न नहीं होने देने की सतर्कता से बहुत दिनों तक स्वस्थ रहेंगे।

आपके लिए बुधवार, एवं शुक्रवार, का दिन अनुकूल हैं, तथा मंगलवार रविवार, गुरुवार एवं सोमवार का दिन कठिन एवं हानिप्रद प्रमाणित होगा। शनिवार मध्य फलदायक है।

आपके लिए अंक 7 एवं 3 अंक अनुकूल एवं चमत्कारिक है। परंतु अंक 4 और 8 अंक आपके लिए अव्यवहारणीय है।

आपके लिए रंग मोतिया, नीला, हरा पीला एवं गुलाबी रंग अनुकूल है एवं लाल रंग एवं काला रंग सर्वथा त्यागनीय है।

Akshay

ज्योतिष गणना के अनुसार आपका जन्म उस समय हुआ जबकि मेदिनीय क्षितिज पर मेष लग्न उदित था। आपका जन्म भरणी नक्षत्र के चतुर्थ चरण में बृश्चिक राशि के नवमांश तथा धनु राशि के द्रेष्काण में हुआ था। गणना के संकेतों से आपके जीवन का वास्तविक चित्र स्पष्ट हो रहा है कि यदि आप अपने जीवन के कार्यकलापों का निष्पादन अपनी योजना के पक्ष में पूर्ण आश्वस्त होकर समयानुकूल कर सकी तो आप निश्चित रूप से अपने उद्देश्य को सफल कर सकेंगी।

सामान्यतः स्पष्ट रूप से यह अभिप्राय प्रकट हो रहा है कि आप दीर्घजीवी होकर सुख पूर्वक स्वस्थ जीवन का आनंद प्राप्त करेंगी। आप निरोग एवं पश्चाताप रहित जीवन बिताएंगी। बृश्चिक नवमांश के प्रभाव आपके लिए सुरक्षा कवच के समान है। यह संभव है कि आप अपने जीवन की न्यूनता को त्याग देंगी। यदि ऐसा न हो सका तो आप दैन्यता और शारीरिक रोग की शिकार हो जाएंगी। यह आवश्यक नहीं है कि आपको संकट के आने की कोई पूर्व सूचना विदित हो सके। आप अपार शक्ति साहस और सामर्थ्य से युक्त प्राणी हैं। आप अपने जीवन में लाभ प्राप्त करने तथा अपनी अभिलाषा की पूर्ति हेतु सुयोग्य एवं सक्षम प्राणी होंगी।

आप अपने रास्ते में आने वाली बाधाएं और बुराईयों को बाहर हटाने में समर्थ हैं। आप स्वयं अपनी बुद्धि से अपनी महत्वाकांक्षा की पूर्ति के लिए बिना किसी सहयोग के पूरी तन्मयता के साथ समर्पित भाव से एवं विश्वास पूर्वक संपादन कर सकेंगी। भगवान आपको अवश्य ही निर्भयता प्रदान करेंगे। आप अपने सभी कार्यों को संपादन हेतु लंबी दूरी तय करने में भी किसी की सहायता अथवा साथ लेने की परवाह नहीं करेंगी।

वास्तव में आपके जीवन के 25 वें वर्ष से आपका स्वर्णिम काल प्रारंभ होगा। आप बहुत बड़ी धन शक्ति और संपन्नता से युक्त हों जाएंगी। आप बहुत उन्नति प्राप्त करके धन, भूमि, भवन, वाहन एवं सेवकों से युक्त हो जाएंगे। आपके आदेश का आपके सेवक अनुमोदन एवं अनुपालन करेंगे। आपके सुख पूर्वक जीवन व्यतीत करने में आपके अधीनस्थ सेवा करने वाले सेवक तथा अनुचर आपके आदेशानुसार आचरण करेंगे।

आप स्वभावतः बहुत बड़ी कामुक प्राणी है। यदि आप क्षणिक आनंद के लिए संयोगात्मक प्रवृत्ति से किसी भी विपरीति योनि के साथ क्षणिक सुख भोग हेतु जोखिम उठाएंगी तो वह किसी भयंकर रोग का सूचक होगा। उत्तम तो यह होगा कि आप प्रतिबंधित क्षेत्र अर्थात् अपने घर में किसी पसंदीदा या अधिकृत विपरीत योनि के साथ ही शारीरिक सुख-भोग का आनंद प्राप्त करें।

यदि आप अपनी उच्चाकांक्षा को प्राप्त करना चाहती हैं, तो स्वप्निल विचारों का त्याग करें एवं कठिन परिश्रम करने के प्रति सतर्क रहे तो वास्तव में आप अपने उद्देश्य की पूर्ति हेतु निश्चित रूप से समर्थ हों जाएंगी।

आपके समक्ष जो कुछ भी व्यवधान आ जाए तो आप में यह सामर्थ्य है कि आप अपनी जन्मजात नेतृत्व की क्षमता द्वारा अपने साहस और महत्वाकांक्षित भावना से स्पष्ट कर लेंगी।

यदा-कदा आप क्रोधित होकर अधिक जिद पकड़ लेती हैं तथा अपने मित्रों से असंतुष्ट होकर उनके साथ क्षमतापूर्वक व्यवहार नहीं कर पाती हैं।

आप अपने मित्रों की लंबी सूची के अनुरूप उनसे मिलने-जुलने के कार्यक्रम त्याग करने योग्य है। फिर भी आपके कुछ ऐसे मित्र हैं जो पूरे मन से आपको उन्नति के मार्ग में सहयोग प्रदान करते हैं। आप को बार-बार मित्रता के लिए होने वाली यात्राओं का कुछ समय के लिए प्रतिबंधित करना चाहिए। अर्थात् यात्रा बंद कर दें। यात्रा क्रम में आप देश के विस्तृत और विभिन्न स्थान के व्यक्तियों के साथ मित्रता संबंध स्थापित करेंगी।

आप भली प्रकार अपना पारिवारिक जीवन व्यतीत करेंगी। आपकी साहसिक प्रवृत्ति एवं अतिरिक्त क्रिया-कलाप से कई अन्य द्वेष भी रखेंगे। आप अपनी माता के प्रति पूर्ण आस्थावान रहेंगी तथा आपका दाम्पत्य जीवन अच्छी प्रकार संचालित रहेगा। आप स्थिर चित्त से अपने परिवार के हित में समय लगाएंगी। आपके पारिवारिक सदस्य आपके उत्तेजनात्मक जीवन से दुखी रहेंगे।

आपके लिए मंगलवार, गुरुवार, रविवार एवं सोमवार उपयुक्त एवं भाग्यशाली दिन है। शुक्रवार, शनिवार एवं बुधवार तीन दिन आपके लिए प्रतिकूल एवं व्ययकारी होंगे।

आपके लिए लाभप्रद एवं प्रमाणित अंक 9 एवं 1 अंक है।

आप अपने जीवन के लिए रंग लाल, पीला और स्वर्णिम रंग को पसंद करेंगी। आपको हर दशा में काले रंग का त्याग करना चाहिए।

अंक ज्योतिष फल

Gutanshu

आपका जन्म दिनांक 21 है। दो एवं एक के योग से आपका मूलांक 3 होता है। मूलांक तीन का अधिपति गुरु ग्रह है। अंक दो का चन्द्र तथा एक का सूर्य है। अतः आपके जीवन में गुरु, चन्द्र तथा सूर्य ग्रह का शुभ-अशुभ प्रभाव रहेगा। मूलांक स्वामी गुरु के प्रभाव से आप एक विद्वान व्यक्ति कहलायेंगे। विद्या के क्षेत्र में आपकी उन्नति होगी। धर्म-कर्म के कार्यों में रुचि रखेंगे। अधिक आयु पर आप आध्यात्म के क्षेत्र में चले जायेंगे। आप एक अनुशासन प्रिय व्यक्ति रहेंगे एवं अपने अधीनस्थों से अपेक्षा रखेंगे कि वह भी अनुशासन में रहें। आप काम में शिथिलता या देरी पसन्द नहीं करेंगे। इससे आपके मातहत आपके विरोधी होंगे।

सूर्य के प्रभाव से आप एक दृढ़ प्रतिज्ञा व्यक्ति होंगे। स्वभाव में हठीपन भी रहेगा एवं आप अपने कार्यक्षेत्र में सूर्य के समान ही चमकेंगे। लेकिन चन्द्र प्रभाव से कभी कभी अंधेरे का सामना करना पड़ेगा। इससे आपके मन में निराशा के भाव आयेंगे। आपका जीवन सन्तुलित रहेगा एवं ऐसे कार्यों में आपका मन लगेगा जहाँ कार्य ईमानदारी से होता हो। आप स्वयं अपनी मेहनत तथा सच्चाई पर भरोसा करेंगे और इसी के सहारे सफलताएं अर्जित करेंगे।

आपकी ऐसे कार्यों में रुचि रहेगी जहाँ बुद्धिजन्य कार्य होता हो। लेखन, पठन-पाठन, भाषण, ज्ञान-विज्ञान के क्षेत्रों में कार्य करने पर आपको अच्छी सफलताएं प्राप्त होंगी। सूर्य, चन्द्र, गुरु के संयुक्त प्रभाव से आप अपने जीवन में उच्चता को अवश्य प्राप्त करेंगे एवं आपकी अन्तिम अवस्था काफी खुशमय रहेगी।

Akshay

आपका जन्म दिनांक 24 है। दो तथा चार के जोड़ से 6 आपका मूलांक होता है। मूलांक 6 का स्वामी शुक्र ग्रह है। अंक दो का चन्द्र तथा अंक चार का स्वामी भारतीय मत से राहु तथा पाश्चात्य मत से हर्षल ग्रह होता है। इन तीनों ही ग्रहों का संयुक्त प्रभाव आपके ऊपर आयेगा।

मूलांक 6 के प्रभाव से आप एक आकर्षण व्यक्तित्व की धनी होंगी। दूसरों को अपनी ओर आकृष्ट करने की विशेष शक्ति आपके अन्दर रहेगी। सौन्दर्य बोध आपमें काफी रहेगा एवं विपरीत योनि के प्रति सहज आकर्षण रहेगा। आप सुन्दर स्त्री-पुरुषों के मध्य अधिक समय बिताना पसन्द करेंगी तथा स्थायी संबंध बनाना आपको रास आयेगा। ललित कलाओं में आपकी रुचि रहेगी एवं एकाधकला आपकी स्थायी हॉबी के रूप में आ जायेगी।

आपको सुन्दर सुसज्जित घर, चाहे छोटा ही हो पर करीने से सजावट के साथ हा, ' ऐसी आपकी पसन्द रहेगी। आप अतिथि सत्कार में कभी भी कोई कमी अपनी समझ में नहीं करेंगी। आपके स्वभाव में थोड़ी हठधर्मिता रहेगी। इस कारण आपको कभी-कभी हानि उठानी पड़ेगी। अतः कोई भी निर्णय सोच-विचारकर सलाह, मशवरा के उपरांत प्रारम्भ करना आपके

हित में रहेगा। प्रतिस्पर्धा से आप में ईर्ष्या जाग्रत होगी और आप अधिक उन्नति प्राप्त करने के लिए अधिक श्रम करेंगी, जिससे प्रतिस्पर्धा में विजय प्राप्त करेंगी।

प्रतिद्वन्दिता सहन न कर सकने के कारण कभी-कभी हानि उठानी पड़ेगी। चन्द्र एवं हर्षल के प्रभाववश आपकी दिनचर्या में परिवर्तन होते रहेंगे। आपकी सामाजिक स्थिति भी घटती बढ़ती रहेगी। कभी आप बहुत सुखानुभूति करेंगी तो कई ऐसे अवसर भी आयेंगे जब मायूसी छा जायेगी। अधिक कल्पनाशीलता तथा विध्वंसक कार्यों से दूर रहना आपके लिए हितकर रहेगा।

Gutanshu

भाग्यांक सात का स्वामी भारतीय मत से केतु तथा पाश्चात्य मत से नेपच्यून ग्रह को माना गया है। यह कल्पना शक्ति, विचार शक्ति, अच्छी देता है। भाग्योदय रुकावटों के साथ करता है। आर्थिक क्षेत्र में प्रायः कमी करता है। धन संग्रह बड़ी-कठिनाई से होता है। अन्यथा ज्यादातर धन की कमी बनी रहती है। कला एवं दर्शन के क्षेत्र में आपका रुझान रहेगा। इन क्षेत्रों को आप कर्म-क्षेत्र बना सकते हैं। इनमें आपकी उन्नति निहित होगी।

आपको ऐसा रोजगार पसन्द आयेगा जिसमें यात्रा के अवसर मिलते रहें। दूर-दूर की यात्रा करना, सैर सपाटा आपके लिए रुचि पूर्ण रहेगा। कई एक यात्राओं से आप व्यावसायिक उन्नति प्राप्त करेंगे। दूर के व्यक्तियों से आपके अच्छे संबंध बनेंगे जो रोजगार व्यापार में आपको लाभ प्रदान करेंगे। प्राचीन रीति-रिवाजों पर आपकी आस्था कम रहेगी तथा परिवर्तन करते रहना आपको सुहायेगा। आपका कार्यक्षेत्र यदा-कदा परिवर्तित होता रहेगा।

Akshay

भाग्यांक 6 के स्वामी शुक्र ग्रह के प्रभाव से आपका भाग्योदय चौंसठ कलाओं के अन्दर ही होगा। शुक्र कला का दाता है। अतः आपके अन्दर ललित कलाओं में से कुछ कलाओं का समावेश होगा। आप कला के क्षेत्र में, कला के द्वारा जीवन यापन करेंगी। कलात्मक वस्तुएं आपको लाभ प्रदान करेंगी। आप विपरीत योनि के प्रति सहज आकर्षण के अवगुण वश तन-मन एवं धन का व्यय करेंगी। सौन्दर्य की ओर आकर्षण आपकी कमजोरी रहेगा।

आपके कार्य करने के स्थान तथा रहने के स्थान की साज-सजावट बनाये रखने में आपको हमेशा धन व्यय करते रहना होगा। क्योंकि सुसज्जित परिवेश में रहना आपके मनोनुकूल है। आप वस्त्र आभूषण की शौकीन रहेंगी। धन स्थिति आपकी ठीक रहेगी। शान-शौकत बनी रहेगी। सामने वाले व्यक्ति आपको हमेशा धनी समझते रहेंगे, भले ही आप यदा-कदा कड़की के दिनों में चल रही हों। किसी भी कला के क्षेत्र को आप अपना रोजगार का क्षेत्र चुनती हैं, तो आपकी उन्नति निश्चित ही होगी।